(b) if so, the details thereof and the action taken thereon?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) Yes, Sir.

(b) These relate to revision of wage structure and other service conditions of the employees. These are under consideration of the Board of Directors of Cochin Shipyard Limited.

एकचाटी-महगामा सड़क का निर्माण

464. **डा० राम जी सिंह:** क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एकचाटी-महगामा संथाल परगना, (बिहार) सड़क के निर्माण के लिये केन्द्रीय सरकार ने अनुदान के रूप में कितनी धनराशि दी है और इतने वर्षों से कार्य पूरा न होने के क्या कारण हैं ?

(ख) क्या सरकार उस सड़क को उपयोगिता समझती है; और

(ग) यदि हां तो इसको पूरा करने में सरकार को किन किन अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम): (क) से (ग). सम्भवतया माननीय सदस्य त्रिमोहन –एकचारी–धनपुरा–महाजगा मार्ग का उल्लेख कर रहे हैं जो एक राज्य मार्ग है । इस मार्ग के महत्व को समझते हुए भारत सरकार राज्य सरकार को काम की 50 प्रतिशत लागत के रूप में केन्द्रीय सड़क निधि से 17,355 लाख रुपये के बराबर राशि देने को सहमत हुई है और शेष व्यय राज्य सरकार अपने संसाधनों से पूरा करेगी । राज्य सरकार जो इस राज्य मार्ग पर कार्य कर रही है से प्राप्त सूचना के अनुसार अब तक मार्ग पर कुल 38.57 लाख रुपये व्यय हो चुका है और परिणामस्वरूप निम्नलिखित वास्तविक प्रगति हुई है :

(i) 33.6 कि० मी० में से 21 किलोमीटर के भाग में सड़क कार्य पूरे हो गये हैं ।

(ii) 3 छोटे पुलों तथा ह्यूम पाइप पुलियों की एक बैटरी (लाइन) को छोड़कर सभी पुलियों व पुलों का काम पूरा हो गया है ।

काम को शुरू करने में बिलम्ब का मुख्य कारण भूमि प्राप्त करने में कठिनाई तथा राज्य योजना के अन्तर्गत वित्तीय कठिनाई बताया गया है । इस बीच, काम की लागत भी बढ़ गई है और अब यह 82.33 लाख रुपये हो गई है । राज्य सरकार एक संशोधित अनुमान तैयार कर रही है और संशोधित अनुमान को स्वीकृत करने के बाद उन्हें शेष कार्यों को पूरा करने की आशा है ।

कर्नाटक के मुख्य मंत्री के विरुद्ध आरोप

465. **श्री ईश्वर चौधरी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कर्नाटक के कुछ विधायकों द्वारा राज्य के मुख्य मंत्री के विरुद्ध कुछ आरोप लगाये गये थे और केन्द्रीय सरकार ने मुख्य मंत्री से इस सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा था ; और

(ख) क्या मुख्य मंत्री ने केन्द्रीय सरकार को सूचित किये बिना एक आयोग नियुक्त किया है और केन्द्रीय सरकार को विश्वास में नहीं लिया है ?

गृह मंत्री (चौधरी चरण सिंह): (क) जी हां, श्रीमान् ।